चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 13 अगस्त 2026, अंक –335.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

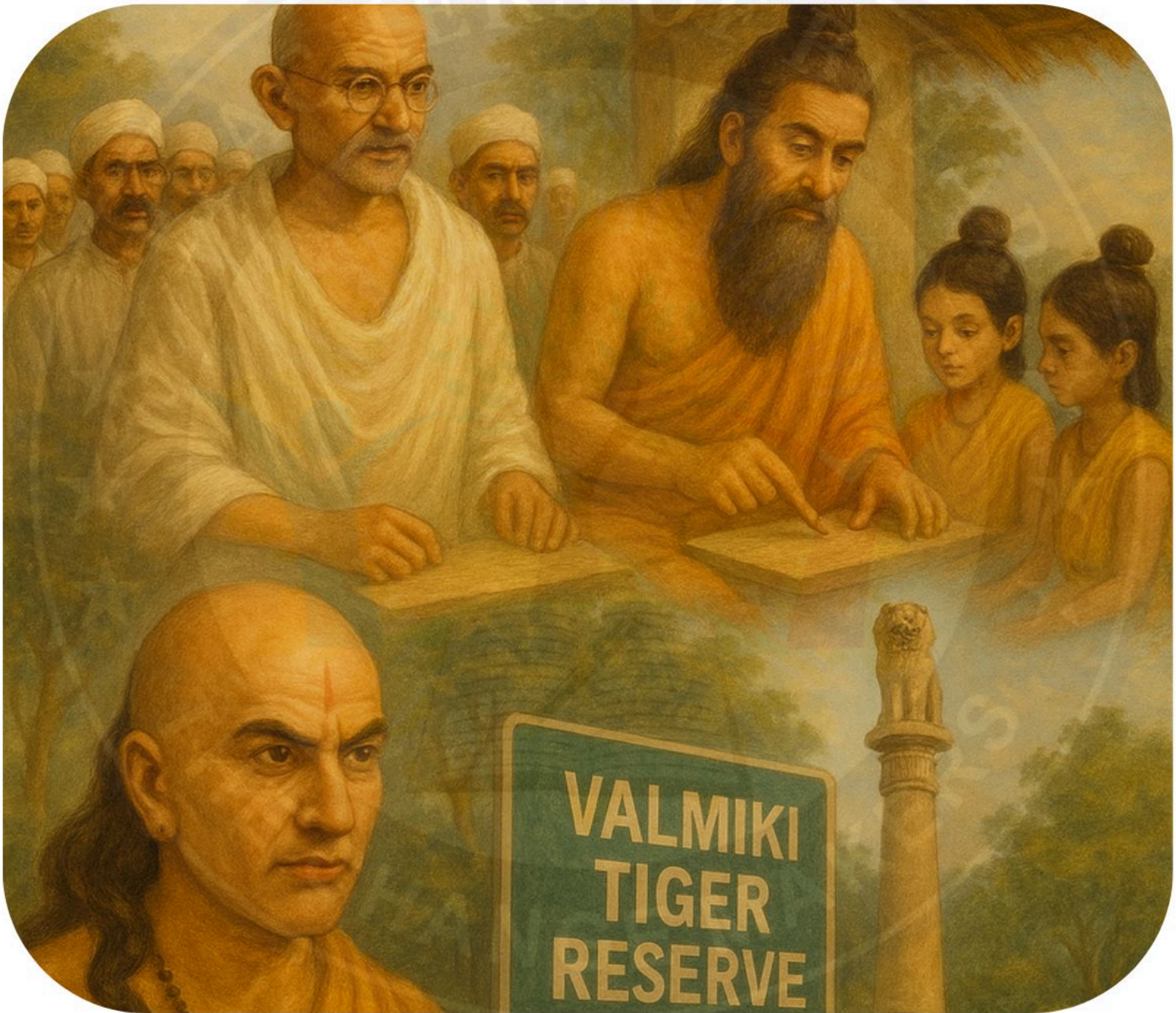

"कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।"

— अल्बर्ट आइंस्टीन

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अंश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. फिनलैंड की राजधानी क्या है?
उत्तर: हेलसिंकी
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला पायलट लाइसेंस प्राप्त करने वाली महिला कौन थीं?
उत्तर: सरला ठकराल
प्रश्न 3. 'पेखु' (Pekhu) किस राज्य की पारंपरिक लोकनृत्य शैली है?
उत्तर: सिक्किम
प्रश्न 4. यदि किसी संख्या को 2 और 5 दोनों से विभाजित किया जा सकता है, तो वह निश्चित रूप से किस संख्या से विभाज्य होगी?
उत्तर: 10
प्रश्न 5. केसरिया स्तूप बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: पूर्वी चंपारण �
Bihar Tourism
प्रश्न 6. नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तराखंड
प्रश्न 7. भाप इंजन में दबाव मापने के लिए प्रयुक्त 'स्टीम गेज' के विकास से जुड़े प्रसिद्ध आविष्कारक कौन थे?
उत्तर: जेम्स वाट
प्रश्न 8. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'Liberty' का हिन्दी अर्थ क्या है?
उत्तर: स्वतंत्रता
प्रश्न 9. 'जो दूसरों की सहायता करता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: सहायक
प्रश्न 10. गीले कपड़े धूप में जल्दी क्यों सूखते हैं?
उत्तर: वाष्पीकरण

संकलन:-

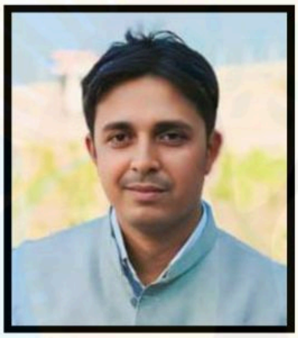

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Fork – (फॉर्क) – काँटा / कांटे वाली चम्मच
Bowl – (बाउल) – कटोरा
Saucepan – (सॉसपैन) – सॉस पकाने का छोटा बर्तन
Frying Pan – (फ्राइंग पैन) – तलने का तवा / कड़ाही
Pressure Cooker – (प्रेशर कुकर) – प्रेशर कुकर
Rolling Pin – (रोलिंग पिन) – बेलन
Mortar – (मॉर्टर) – ओखली

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “तुम कैसे ... करोगे/करोगी?” (How will you ...?)

तुम कैसे पढ़ोगे/पढ़ोगी? – How will you study?
तुम कैसे जाओगे/जाओगी? – How will you go?
तुम कैसे सीखोगे/सीखोगी? – How will you learn?
तुम कैसे काम करोगे/करोगी? – How will you work?
तुम कैसे अंग्रेज़ी बोलोगे/बोलोगी? – How will you speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 13 अगस्त को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय बाएँ हाथ दिवस (International Left-Handers Day)
व्याख्या: 13 अगस्त को "अंतरराष्ट्रीय बाएँ हाथ दिवस" (International Left-Handers Day) मनाया जाता है — यह दिन उन लोगों को सम्मानित करता है जिन्होंने दाएँ हाथ की दुनिया में बाएँ हाथ से काम करने में महारत हासिल की है। (National Today) यह दिवस पहली बार 13 अगस्त 1976 को Dean R. Campbell द्वारा मनाया गया था। (LeftyFretz) विश्व की लगभग 7-10% जनसंख्या बाएँ हाथ से काम करती है। (There is a Day for That!) विज्ञान में "मस्तिष्क की असमरूपता" (Brain Lateralization) से यह समझाया जाता है — दाएँ हाथ के लोगों में बाएँ गोलार्द्ध (Left Hemisphere) प्रभावी होता है, जबकि बाएँ हाथ के लोगों में दाएँ गोलार्द्ध (Right Hemisphere) अधिक सक्रिय हो सकता है। प्रसिद्ध बाएँ हाथ के व्यक्ति: अरस्तू, लियोनार्डो डा विंची, मोहम्मद अली, सचिन तेंदुलकर, बराक ओबामा।
संदर्भ: nationaldaycalendar.com International Left-Handers Day 2026;

प्र.2. 12 अगस्त 2026 को प्रधानमंत्री मोदी ने किस पुस्तक का विमोचन किया जो भारत के किस पूर्व राष्ट्रपति के जीवन पर आधारित है? (समसामयिक घटना)
उत्तर: "ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक"; राम नाथ कोविंद (14वें राष्ट्रपति)
व्याख्या: प्रधानमंत्री मोदी ने 12 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में "Triumph of the Indian Republic" पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक भारत के 14वें राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के जीवन पर आधारित है और उन मूल्यों पर प्रकाश डालती है जिन्होंने उनकी सार्वजनिक सेवा को आकार दिया। (InsightsIAS) राम नाथ कोविंद 2017-2022 तक भारत के राष्ट्रपति रहे। वे उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले के परौंख गाँव से थे और दलित समुदाय (कोरी/कोली) से थे। उन्होंने बिहार के राज्यपाल (2015-2017) के रूप में भी कार्य किया। 80वें स्वतंत्रता दिवस से दो दिन पूर्व इस पुस्तक का विमोचन अत्यंत प्रतीकात्मक है।
संदर्भ: testbook.com Current Affairs 12 August 2026 — Triumph of the Indian Republic;

प्र.3. "वंदे मातरम्" गीत 2026 में किस ऐतिहासिक वर्षगाँठ पर विशेष रूप से मनाया जा रहा है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: 150 वर्ष (1876-2026)
व्याख्या: 80वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) पर पहली बार "वंदे मातरम्" लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के आगमन पर गाया जाएगा — यह "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने (1876-2026) का उत्सव है। (Vajiram & Ravi) "वंदे मातरम्" (Vande Mataram) बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1876 में रचा था और 1882 में "आनंदमठ" उपन्यास में प्रकाशित किया। 1896 में रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में पहली बार इसे गाया। 1950 में इसे भारत का "राष्ट्रगीत" घोषित किया गया। 2026 की थीम है — "150 Years of Vande Mataram" और "Yuva Shakti for Viksit Bharat@2047"।
संदर्भ: legacyias.com Current Affairs 11 August 2026 — Vande Mataram 150 Years;

प्र.4. "जल-जनित रोगों" (Water-Borne Diseases) को किस प्रकार वर्गीकृत किया जाता है — और इनमें से "मलेरिया" किस श्रेणी में आता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: जल-जनित (Waterborne) और जल-आधारित (Water-Based); मलेरिया — जल-संबंधित (Water-Related)
व्याख्या: NCERT और WHO के अनुसार जल से संबंधित रोगों के चार प्रकार हैं: (1) जल-जनित (Waterborne): दूषित जल पीने से — हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस A, डायरिया; (2) जल-आधारित (Water-Based): जलीय जीवों में पला सूक्ष्मजीव — गिनी वर्म (Dracunculiasis); (3) जल-संबंधित (Water-Related): रुके हुए जल में पनपने वाले वाहक कीट — मलेरिया (Anopheles मच्छर), डेंगू (Aedes मच्छर), जापानी एनसेफलाइटिस; (4) जल-स्वच्छता (Water-Washed): कम पानी से हाथ न धोने से — ट्रेकोमा, खुजली। बाढ़ के दौरान बिहार में रुके हुए जल में मच्छर पनपते हैं जिससे मलेरिया और जापानी एनसेफलाइटिस (JE) का प्रकोप बढ़ता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms Friend and Foe, p. 16–22;

प्र.5. "न्यू मूर द्वीप" (New Moore Island / Purbasha) विवाद भारत और किस देश के बीच था, यह द्वीप क्यों खत्म हो गया? (इतिहास)
उत्तर: बांग्लादेश; समुद्र-जल स्तर वृद्धि से डूब गया (2010)
व्याख्या: "न्यू मूर द्वीप" (भारत में "पूर्वाशा", बांग्लादेश में "दक्षिण तालपट्टी") बंगाल की खाड़ी में हरिभंगा नदी के मुहाने पर था। 1970 के तूफान के बाद प्रकट हुए इस द्वीप पर भारत और बांग्लादेश दोनों अपना दावा करते थे। भारत ने 1981 में वहाँ तिरंगा फहराया था। 2010 में जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्री जल-स्तर बढ़ने से यह द्वीप पूरी तरह डूब गया। यह जलवायु परिवर्तन का एक मूर्त उदाहरण है जो UPSC GS-I (भूगोल) और GS-II (अंतरराष्ट्रीय सीमा विवाद) दोनों के लिए प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 18;

प्र.6. भारत का "ट्रिब्यूनल सुधार विधेयक, 2026" क्यों महत्वपूर्ण है और यह कितने ट्रिब्यूनल को प्रभावित करेगा? (भूगोल)
उत्तर: ट्रिब्यूनलों की स्वायत्तता और मानकीकरण; 16 केंद्रीय ट्रिब्यूनल
व्याख्या: लोकसभा ने "ट्रिब्यूनल सुधार विधेयक, 2026" पारित किया जो 16 केंद्रीय सांविधिक ट्रिब्यूनलों में नियुक्ति, कार्यकाल, हटाने और सेवा शर्तों को मानकीकृत करने के लिए एक स्वतंत्र "राष्ट्रीय ट्रिब्यूनल आयोग (NTC)" स्थापित करता है। (Legacy IAS Academy) इसका उद्देश्य न्यायिक स्वतंत्रता, प्रशासनिक स्वायत्तता और पारदर्शिता बढ़ाना है। NTC में 5 सदस्य होंगे — अध्यक्ष, 2 न्यायिक सदस्य और 2 तकनीकी सदस्य। (Legacy IAS Academy) भारत में कर, पर्यावरण, दूरसंचार, सशस्त्र बल और प्रशासनिक विवादों पर 40 से अधिक केंद्रीय ट्रिब्यूनल हैं। यह UPSC GS-II (न्यायपालिका सुधार) के लिए महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: insightsonindia.com 11 August 2026 — Tribunals Reforms Bill 2026;

प्र.7. "UPI मर्चेंट डिस्काउंट रेट" (MDR) विधेयक, 2026 में क्या प्रावधान किया गया है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: ₹2,000 से अधिक के UPI व्यापारिक लेनदेन पर 0.25-0.5% MDR लागू
व्याख्या: "कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026" दोनों सदनों में पारित हुआ जो "भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007" की धारा 10A में संशोधन करके सरकार को ₹2,000 से अधिक के UPI लेनदेन पर 0.25-0.5% का "मर्चेंट डिस्काउंट रेट" (MDR) अधिसूचित करने का अधिकार देता है — यह 2020 से चली आ रही शून्य-MDR व्यवस्था को पलटता है। (Vajiram & Ravi) MDR (Merchant Discount Rate) वह शुल्क है जो व्यापारी डिजिटल भुगतान के लिए बैंक को देता है। व्यक्ति-से-व्यक्ति (P2P) UPI लेनदेन पर शुल्क नहीं लगेगा। इस निर्णय का उद्देश्य बैंकों की UPI इन्फ्रास्ट्रक्चर लागत की वसूली करना है।
संदर्भ: legacyias.com 11 August 2026 — UPI MDR Bill 2026;

प्र.8. "मानव मस्तिष्क में बाएँ और दाएँ गोलार्द्ध" (Left and Right Hemispheres) के कार्यों में क्या अंतर है? (विज्ञान)
उत्तर: बाएँ गोलार्द्ध — भाषा, तर्क, गणित; दाएँ गोलार्द्ध — कला, रचनात्मकता, स्थानिक बोध
व्याख्या: मानव मस्तिष्क दो गोलार्द्धों (Cerebral Hemispheres) में बँटा है। बायाँ गोलार्द्ध (Left Hemisphere): भाषा, बोलने की क्षमता (Speech), तार्किक सोच, गणितीय गणना, विश्लेषणात्मक सोच — और यह शरीर के दाएँ भाग को नियंत्रित करता है। दायाँ गोलार्द्ध (Right Hemisphere): कलात्मक और रचनात्मक क्षमता, स्थानिक बोध (Spatial Awareness), संगीत, भावनात्मक अनुभव — और यह शरीर के बाएँ भाग को नियंत्रित करता है। बाएँ हाथ के लोगों में भाषा कभी-कभी दाएँ गोलार्द्ध में स्थित होती है। "Corpus Callosum" नामक तंत्रिका-पट्ट दोनों गोलार्द्धों को जोड़ता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 7 Control and Coordination, p. 115–117;

प्र.9. "चित्तरंजन दास" (C.R. Das) और स्वराज पार्टी का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में क्या योगदान था? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: असहयोग आंदोलन वापसी के बाद विधान परिषद में प्रवेश कर ब्रिटिश नीतियों का विरोध
व्याख्या: "चित्तरंजन दास" (C.R. Das, 1870-1925) को "देशबंधु" कहा जाता था। 1922 में असहयोग आंदोलन वापस लिए जाने के बाद उन्होंने 1923 में मोतीलाल नेहरू के साथ मिलकर "स्वराज पार्टी" की स्थापना की। उनका उद्देश्य था — ब्रिटिश भारत की विधान परिषदों (Legislative Councils) में प्रवेश कर अंदर से सरकार की नीतियों को बाधित करना। यह "परिषद प्रवेश" (Council Entry) नीति गाँधीवादी "बहिष्कार" नीति से भिन्न थी। स्वराज पार्टी ने 1923 के चुनाव में उल्लेखनीय सफलता पाई। C.R. दास कवि, वकील और राजनेता तीनों थे। बंगाल की साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपरा में उनका अमूल्य योगदान था।
संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 24–26;

प्र.10. बिहार में "80वें स्वतंत्रता दिवस" (15 अगस्त 2026) के उपलक्ष्य में राजधानी पटना में किस ऐतिहासिक स्थल पर "पटना सचिवालय शहीद स्मारक" पर श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: पटना सचिवालय (मुख्य सचिवालय भवन के सामने, मेन गेट पर)
व्याख्या: पटना में "शहीद स्मारक" (Martyrs' Memorial) पटना सचिवालय के मुख्य द्वार के सामने स्थित है — यह 1942 के "सचिवालय गोलीकांड" (11 अगस्त 1942) में शहीद हुए सात युवा छात्रों की स्मृति में निर्मित है। इन शहीदों के नाम हैं: उमाकांत प्रसाद सिन्हा, रामानंद सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेंद्र सिंह और रामगोविंद सिंह। 15 अगस्त को यहाँ बिहार के मुख्यमंत्री और राज्यपाल श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह स्थल बिहार के युवाओं के बलिदान और देश-प्रेम का सबसे प्रतीकात्मक स्थान है।
संदर्भ: Bihar Government Official Records — Shahid Smarak Patna;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 ("पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय") के अनुसार — "जल-जनित रोगों से बचाव" के लिए विद्यालय में "WASH कोना" (WASH Corner) कैसे स्थापित किया जाना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: हाथ धोने की सुविधा, साफ पानी की टंकी, साबुन, कूड़ेदान, WASH नियम की पट्टिका

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W2 के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में "WASH कोना" (WASH Corner — Water, Sanitation & Hygiene Corner) स्थापित करना अनिवार्य है। इसके घटक: (1) हाथ धोने की सुविधा: नल या पात्र जिसमें पर्याप्त शुद्ध जल हो; (2) साबुन या हैंडवाश: हमेशा उपलब्ध हो; (3) साफ पेयजल टंकी: ढका हुआ, ऊँचाई पर, नियमित सफाई; (4) कूड़ेदान: परिसर में स्वच्छता हेतु; (5) WASH नियम पट्टिका: दीवार पर हिंदी में सरल भाषा में — "खाने से पहले हाथ धोएँ", "शौचालय बाद हाथ धोएँ", "उबला पानी पीएँ"। शिक्षक प्रशिक्षण: स्वास्थ्य शिक्षक (यदि उपलब्ध) या SMC (School Management Committee) सदस्य WASH कोने की नियमित निगरानी करें।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W2 — "पेयजल की अशुद्धता से होने वाले खतरे एवं इसके उपाय";

प्र.12. एक घड़ी सुबह 9 बजे 5 मिनट आगे चलती है और एक दिन में 3 मिनट और आगे हो जाती है। यदि आज शाम 6 बजे घड़ी सही समय दिखा रही है, तो 3 दिन बाद शाम 6 बजे घड़ी में क्या समय होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: शाम 6 बजकर 9 मिनट

व्याख्या: घड़ी प्रतिदिन 3 मिनट आगे हो जाती है। 3 दिन बाद कुल अतिरिक्त समय = 3 × 3 = 9 मिनट। अतः 3 दिन बाद जब वास्तविक समय शाम 6:00 बजे होगा, तब घड़ी दिखाएगी = 6:00 + 0:09 = शाम 6 बजकर 9 मिनट। यह "घड़ी की गलत चाल" (Faulty Clock) का मानक प्रश्न है। BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में "Clocks" के अंतर्गत तीन प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं: (1) सुइयों के बीच कोण, (2) घड़ी की गलत चाल, (3) सुइयों का मेल (Coincidence)। यह प्रश्न "गलत चाल" (Gaining Clock) पर है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 13 Motion — Time and Speed;

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

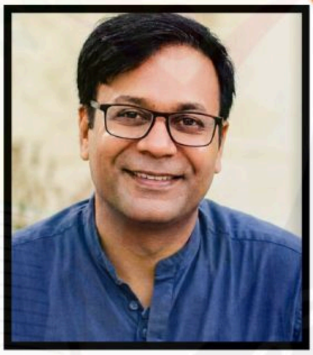

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abate (अबेट) = Diminish (डिमिनिश) = कम होना / घटाना
 Antonym – Intensify (इन्टेन्सिफ़ाइ) = तीव्र करना / बढ़ाना
Belligerent (बेलिजरेंट) = Hostile (हॉस्टाइल) = लड़ाकू / आक्रामक
 Antonym – Peaceful (पीसफुल) = शांतिपूर्ण
Culpable (कल्पेबल) = Guilty (गिल्टी) = दोषी / अपराध का भागी
 Antonym – Innocent (इनोसेंट) = निर्दोष
Docile (डॉसाइल) = Obedient (ओबीडियन्ट) = आज्ञाकारी / आसानी से नियंत्रित होने वाला
 Antonym – Defiant (डिफ़ायन्ट) = उद्दंड / अवज्ञाकारी
Enervate (एनर्वेट) = Weaken (वीकन) = कमजोर करना / शक्ति क्षीण करना
 Antonym – Invigorate (इनविगोरेट) = सशक्त करना / ऊर्जा प्रदान करना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and IT Unveils 'National AI and High-Performance Supercomputing Grid 5.0' for Indigenous Innovation.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने स्वदेशी नवाचार के लिए 'राष्ट्रीय एआई एवं उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग ग्रिड 5.0' का अनावरण किया।
केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देश में एआई शोध, सेमीकंडक्टर डिजाइनिंग और उच्च-क्षमता कंप्यूटिंग अवसंरचना को गति देने के लिए एक नया राष्ट्रीय ढांचा अधिसूचित किया है। इसके तहत देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों (IITs), राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्टार्टअप्स को रियायती दरों पर जीपीयू (GPU) कंप्यूटिंग पावर, सुरक्षित डेटा सेंटर और अनुसंधान सहायता प्रदान की जाएगी।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Agri-Logistics and Smart Warehousing Index 2026', Highlighting Post-Harvest Supply Chains.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने 'राष्ट्रीय सतत कृषि-लॉजिस्टिक्स एवं स्मार्ट भंडारण सूचकांक 2026' जारी किया, जिसमें फसल कटाई के बाद की आपूर्ति श्रृंखलाओं को रेखांकित किया गया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम सूचकांक में कृषि उत्पादों के नुकसान को कम करने, सोलर-संचालित कोल्ड स्टोरेज के विस्तार और एकीकृत आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचा विकसित करने के मामले में मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट कृषि क्षेत्र में बर्बादी रोकने और किसानों की आय बढ़ाने के राष्ट्रीय लक्ष्यों का मूल्यांकन करती है।

English Headline: ISRO Successfully Conducts Flight Acceptance Testing of Indigenously Developed Semi-Cryogenic Engine for Next-Gen Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपकों के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का उड़ान स्वीकृति परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण पूरा किया। यह पर्यावरण-अनुकूल और लागत-प्रभावी तकनीक भविष्य के भारी-पेलोड प्रक्षेपण वाहनों (LVM3) की भार वहन क्षमता को बढ़ाएगी, जिससे भारत के वाणिज्यिक एवं गगनयान जैसे मानवयुक्त अभियानों को मजबूती मिलेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Consensus Resolution Establishing Global Regulatory Norms for Responsible Governance of Artificial Intelligence.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार शासन के लिए वैश्विक नियामक मानदंड स्थापित करने वाला सर्वसम्मत प्रस्ताव अपनाया।
न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विशेष सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने एआई प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित, पारदर्शी और समावेशी उपयोग के लिए एक सर्वसम्मत अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को मंजूरी दी। इस समझौते का प्राथमिक उद्देश्य डेटा संप्रभुता की रक्षा करना, एआई एल्गोरिदम की जवाबदेही तय करना और विकासशील देशों के लिए डिजिटल तकनीक तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Infrastructure Investment Bank Announce Joint $2.6 Billion Fund for South Asian Clean Energy Corridors.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक ने दक्षिण एशियाई स्वच्छ ऊर्जा गलियारों के लिए संयुक्त $2.6 बिलियन के कोष की घोषणा की।
दक्षिण एशियाई क्षेत्र में हरित ऊर्जा संक्रमण को गति देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। इस कोष का उपयोग मुख्य रूप से भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच अंतर-देशीय सौर तथा जलविद्युत पारेषण (Transmission) लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने में किया जाएगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Launches 'Global Pathogen Genomics Surveillance Grid 3.0' to Counter Climate-Induced Health Risks.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु-प्रेरित स्वास्थ्य जोखिमों से निपटने के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स सर्विलांस ग्रिड 3.0' की शुरुआत की।
जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण नए एवं उभरते संक्रामक रोगों के म्यूटेशन से उत्पन्न जोखिमों की समय रहते पहचान करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस उन्नत डिजिटल निगरानी नेटवर्क का अनावरण किया है। यह प्रणाली जीनोम अनुक्रमण डेटा का विश्लेषण करके संभावित महामारियों के खिलाफ पूर्व चेतावनी जारी करेगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Agri-Processing and Food Logistics Promotion Policy 2026' to Subsidize Rural Agro-Units.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने ग्रामीण कृषि-इकाइयों को सब्सिडी प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री कृषि-प्रसंस्करण एवं खाद्य लॉजिस्टिक्स प्रोत्साहन नीति 2026' को मंजूरी दी।
राज्य में कृषि-आधारित उद्योगों को आधुनिकीकरण प्रदान करने और स्थानीय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) के लिए बिहार सरकार ने एक नया प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत किया है। इसके अंतर्गत मखाना, शाही लीची, कतरनी चावल और मक्का के प्रसंस्करण, शीतगृह निर्माण और सीधे निर्यात में लगे एग्री-स्टार्टअप्स को सब्सिडी और रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: Bihar Department of Environment, Forest and Climate Change Initiates Geo-Tagging of Wetland Ecosystems in Gandak-Kosi Belt.
हिन्दी अनुवाद: बिहार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक-कोसी बेल्ट की आर्द्रभूमियों की जियो-टैगिंग शुरू की।
उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी बिहार की समृद्ध आर्द्रभूमियों (Wetlands) और पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट-आधारित मैपिंग और जियो-टैगिंग अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण करना और क्षेत्र में भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Squad Clinches Multiple Gold and Silver Medals in Recurve and Compound Events at World Archery Competition.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने विश्व तीरंदाजी प्रतियोगिता में रिकर्व और कंपाउंड स्पर्धाओं में कई स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए।
अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय तीरंदाजों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों की व्यक्तिगत तथा टीम स्पर्धाओं में शानदार जीत दर्ज की। इस सफलता से भारत ने प्रतियोगिता की समग्र पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत की है।

English Headline: Badminton World Federation (BWF) Rolls Out Updated Athlete Workload and Recovery Guidelines for Enhanced Player Safety.
हिन्दी अनुवाद: बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने खिलाड़ी सुरक्षा के लिए अद्यतन एथलीट कार्यभार और रिकवरी दिशानिर्देश लागू किए।
अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कैलेंडर में खिलाड़ियों की शारीरिक सहनशक्ति बनाए रखने और चोटों से बचाव के उद्देश्य से बीडब्ल्यूएफ ने नए तकनीकी नियम लागू किए हैं। इन दिशानिर्देशों के तहत प्रमुख अंतरराष्ट्रीय दौरों के बीच अनिवार्य विश्राम अवधि और उन्नत मेडिकल रिकवरी प्रोटोकॉल को अनिवार्य बनाया गया है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

🇮🇳 आज़ादी का असली अर्थ

स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले विद्यालय में शिक्षक ने बच्चों से पूछा, "तुम्हारे लिए आज़ादी का क्या अर्थ है?"

किसी ने कहा, "अपनी मर्जी से घूमना।"

किसी ने कहा, "जो चाहें वह करना।"

तभी शिक्षक ने मेज पर रखे एक पिंजरे को खोल दिया। उसमें बंद चिड़िया उड़कर खिड़की पर जा बैठी।

उन्होंने पूछा, "अब यह आज़ाद है। क्या यह जो चाहे कर सकती है?"

एक बच्चा बोला, "हाँ!"

शिक्षक मुस्कुराए,

"अगर यह किसी के घर में घुसकर सामान नष्ट करे, खेत में खड़ी फसल बर्बाद करे या दूसरों को नुकसान पहुँचाए, तो क्या इसे अपनी आज़ादी कहेंगे?"

बच्चे चुप हो गए।

शिक्षक बोले, "आज़ादी का अर्थ मनमानी नहीं, जिम्मेदारी है। जो व्यक्ति अपने कर्तव्य, विवेक और संयम को भूल जाता है, वह स्वतंत्र होकर भी अपने स्वार्थ का गुलाम रहता है।"

फिर उन्होंने तिरंगे की ओर देखते हुए कहा—

"देश हमें अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों की रक्षा हमारे कर्तव्य करते हैं। सच्ची स्वतंत्रता तब है, जब हम अपनी इच्छा से सही काम चुनें—भय के कारण नहीं, जिम्मेदारी के कारण।"

उस दिन बच्चों ने जाना—

आज़ादी केवल यह अधिकार नहीं कि हम क्या कर सकते हैं; आज़ादी यह समझ भी है कि हमें क्या करना चाहिए।

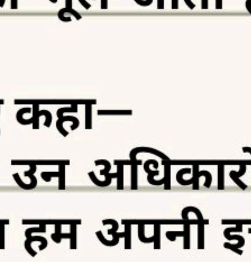

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

■ चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का

■ गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : गया, अंक–3"

'संपादकीय' ✍️

शीर्षक: गया: बोधि का प्रकाश, फल्गु का मोक्ष-तीर्थ और बराबर का स्थापत्य

गया का इतिहास केवल कालखंडों का ब्यौरा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण मानव सभ्यता और चेतना के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का मुकुटमणि है। इस भूमि का सर्वोपरि गौरव बोधगया (Bodh Gaya) है, जहाँ पीपल के पावन बोधि वृक्ष के नीचे तपस्यारत सिद्धार्थ को बैशाख पूर्णिमा के दिन परम ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे 'बुद्ध' कहलाए। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित और कालांतर में पुनर्गठित महाबोधि मंदिर (Mahabodhi Temple), जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) है, विश्व भर के बौद्ध श्रद्धालुओं के लिए सबसे पवित्र स्थान है। इसका अष्टकोणीय शिखर और प्राचीन पाषाण वेदिकाएं स्थापत्य कला की उस पराकाष्ठा को दर्शाती हैं जिसने एशिया महाद्वीप में शांति, प्रज्ञा और करुणा के संदेश का विस्तार किया।

सनातन परंपरा में गयाजी को संपूर्ण आर्यावर्त में 'पितृमुक्ति का सर्वोच्च तीर्थ' माना जाता है। फल्गु नदी के तट पर स्थित विष्णुपद मंदिर (Vishnupad Temple), जिसका निर्माण 18वीं शताब्दी में इंदौर की धर्मपरायण महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने कसौटी पत्थर से करवाया था, भगवान विष्णु के पदचिह्नों पर प्रतिष्ठित है। प्रतिवर्ष आश्विन मास में आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय पितृपक्ष मेला (Pitrupaksha Mela) सदियों से चला आ रहा एक विशाल आध्यात्मिक समागम है, जहाँ देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपने पूर्वजों (पितरों) के तर्पण और पिंडदान के लिए आते हैं।

स्थापत्य और पुरातात्विक दृष्टि से गया की बराबर और नागार्जुनी पहाड़ियाँ (Barabar Caves) भारत के संपूर्ण इतिहास की सबसे अमूल्य धरोहरों में से एक हैं। तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक और उनके पौत्र दशरथ द्वारा आजीविक संप्रदाय के संतों के लिए चट्टानों को तराशकर बनाई गई ये गुफाएँ (जैसे कर्ण चौपर, सुदामा गुफा और लोमस ऋषि गुफा) भारत की प्राचीनतम गुफा-वास्तुकला (Rock-cut Architecture) के उदाहरण हैं। इन गुफाओं की भीतरी दीवारों पर की गई मौर्यकालीन पॉलिश आज हजारों साल बाद भी शीशे की तरह चमकती है, जो उस युग की बेजोड़ इंजीनियरिंग क्षमता का साक्ष्य प्रस्तुत करती है।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में भी गया की भूमिका अत्यंत गौरवशाली रही है। सन 1922 का गया कांग्रेस अधिवेशन (जिसकी अध्यक्षता देशबंधु चितरंजन दास ने की थी) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इतिहास का एक बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहाँ से स्वराज पार्टी के गठन की नींव पड़ी। 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान गया के युवाओं और किसानों ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका था। टिकारी, गुरारू और गया शहर के अमर शहीदों की कुर्बानियों ने इस पौराणिक भूमि को राष्ट्रवाद की इंकलाबी ज्योति से आलोकित किया।

गया का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह प्रमाणित करता है कि यहाँ की माटी में बौद्ध दर्शन की प्रज्ञा, सनातन तर्पण का मोक्ष-बोध और मौर्यकालीन कला का गौरव एक साथ बहता है। बोधि वृक्ष की अमर छाया हो, विष्णुपद धाम का शंखनाद हो या बराबर की गुफाओं की पाषाण-ध्वनि—ये सभी तत्व मिलकर गया को विश्व संस्कृति की अमर धरोहर बनाते हैं।

..........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org